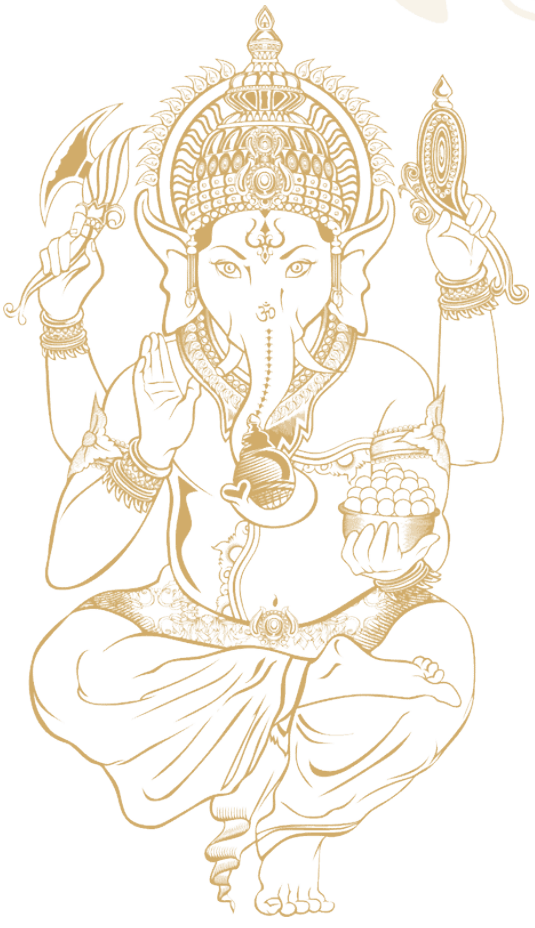

Vedanshi

22 Jul 2025

04:11 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121047504

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21-22/07/2025**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:11:00 घंटे**
इष्ट	56:26:23 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:49:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:27 घंटे
साम्पातिक काल	23:49:39 घंटे
सूर्योदय	05:36:26 घंटे
सूर्यास्त	19:18:13 घंटे
दिनमान	13:41:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:11:45 कर्क
लग्न के अंश	15:46:20 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ध्रुव
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोहिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:46:20	318:17:31	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	05:11:45	00:57:18	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृष	27:34:06	14:22:09	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	25:56:58	00:36:16	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध	व	अ	कर्क	20:47:28	00:18:07	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	15:18:40	00:13:14	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	25:11:46	01:08:26	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	स्वराशि
शनि	व		मीन	07:39:17	00:00:53	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	25:20:15	00:06:52	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	25:20:15	00:06:52	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	06:22:40	00:02:10	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	07:53:00	00:00:32	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	08:27:11	00:01:25	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	02:57:59	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:54

लग्न-चलित

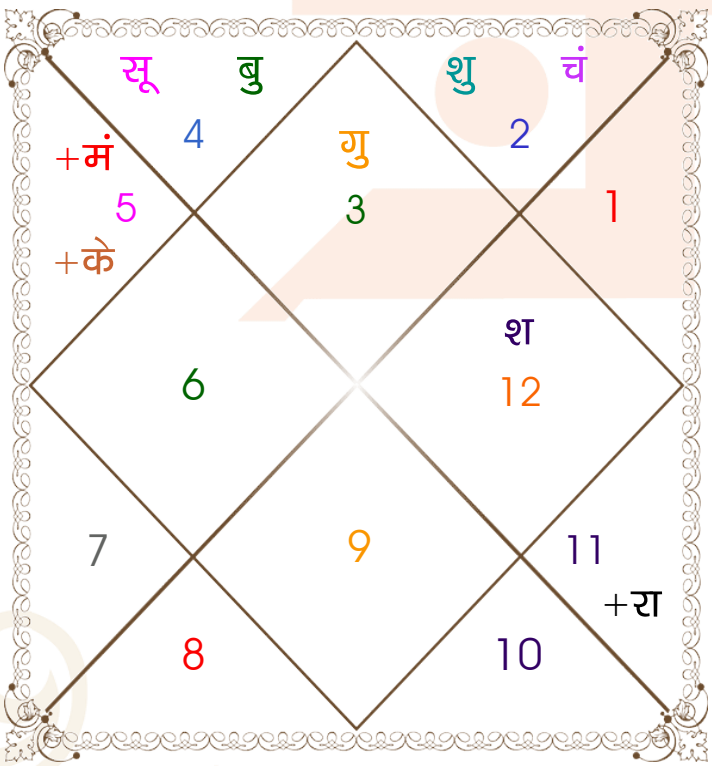

चन्द्र कुंडली

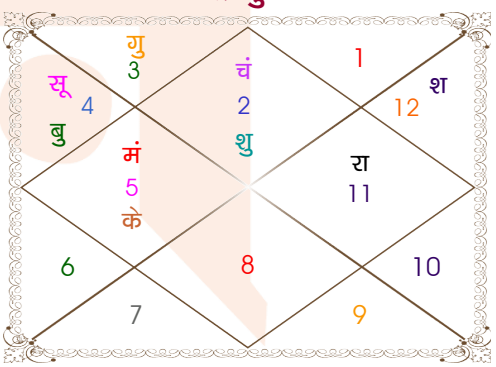

नवमांश कुंडली

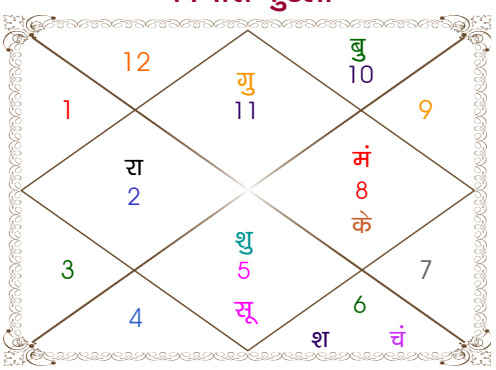

Shivshakti jotish sadan
Nakshtra darpan, Mata Wali Gali, Dadri, Uttar Pradesh 203207, India
8077312012,9412412012
acharyaji12012@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 9 मास 9 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/07/2025		01/05/2030		01/05/2048		01/05/2064		02/05/2083	
01/05/2030		01/05/2048		01/05/2064		02/05/2083		02/05/2100	
	00/00/0000	राहु	12/01/2033	गुरु	19/06/2050	शनि	05/05/2067	बुध	27/09/2085
	22/07/2025	गुरु	07/06/2035	शनि	30/12/2052	बुध	12/01/2070	केतु	24/09/2086
गुरु	21/09/2025	शनि	13/04/2038	बुध	07/04/2055	केतु	21/02/2071	शुक्र	25/07/2089
शनि	31/10/2026	बुध	30/10/2040	केतु	13/03/2056	शुक्र	22/04/2074	सूर्य	01/06/2090
बुध	28/10/2027	केतु	18/11/2041	शुक्र	12/11/2058	सूर्य	04/04/2075	चंद्र	31/10/2091
केतु	25/03/2028	शुक्र	18/11/2044	सूर्य	31/08/2059	चंद्र	03/11/2076	मंगल	27/10/2092
शुक्र	25/05/2029	सूर्य	12/10/2045	चंद्र	30/12/2060	मंगल	12/12/2077	राहु	17/05/2095
सूर्य	30/09/2029	चंद्र	13/04/2047	मंगल	06/12/2061	राहु	18/10/2080	गुरु	22/08/2097
चंद्र	01/05/2030	मंगल	01/05/2048	राहु	01/05/2064	गुरु	02/05/2083	शनि	02/05/2100

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/05/2100		03/05/2107		03/05/2127		02/05/2133		03/05/2143	
03/05/2107		03/05/2127		02/05/2133		03/05/2143		00/00/0000	
केतु	28/09/2100	शुक्र	01/09/2110	सूर्य	20/08/2127	चंद्र	02/03/2134	मंगल	29/09/2143
शुक्र	28/11/2101	सूर्य	01/09/2111	चंद्र	19/02/2128	मंगल	02/10/2134	राहु	16/10/2144
सूर्य	05/04/2102	चंद्र	02/05/2113	मंगल	26/06/2128	राहु	01/04/2136	गुरु	23/07/2145
चंद्र	04/11/2102	मंगल	02/07/2114	राहु	20/05/2129	गुरु	01/08/2137		00/00/0000
मंगल	02/04/2103	राहु	02/07/2117	गुरु	09/03/2130	शनि	03/03/2139		00/00/0000
राहु	20/04/2104	गुरु	02/03/2120	शनि	19/02/2131	बुध	01/08/2140		00/00/0000
गुरु	27/03/2105	शनि	03/05/2123	बुध	26/12/2131	केतु	02/03/2141		00/00/0000
शनि	05/05/2106	बुध	02/03/2126	केतु	02/05/2132	शुक्र	01/11/2142		00/00/0000
बुध	03/05/2107	केतु	03/05/2127	शुक्र	02/05/2133	सूर्य	03/05/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 9 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।